SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

Post-Event Report

Event	व्याख्यान
Topic	गाँधी की बुनियादी शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति
Organizer	हिंदी साहित्य सभा मंथन ।
Date	10 अक्टूबर 2025
Time	प्रातः 10:30 बजे
Duration	3 घंटे
Place/Platform	संगोष्ठी कक्ष
Number of Participants	30+
Welcome Speech	महेंद्र प्रताप सिंह

Activities

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के हिंदी तथा हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा "गाँधी की बुनियादी शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति" विषय पर एक विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन 10 अक्टूबर 2025 को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य वक्ता डॉ. गिरि ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में गाँधी जी की बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से सत्य की कसौटी पर आधारित गाँधी जी के विचारों और राष्ट्रीय एकता एवं नैतिकता को सुदृढ़ करने में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला। उनका व्याख्यान अत्यंत सरल, रोचक एवं ज्ञानवर्धक था, जिसने सभी प्रतिभागियों को विषय की गहन जानकारी प्रदान की और उन्हें अंत तक सक्रिय रूप से जोड़े रखा।

यह संगोष्ठी बुनियादी शिक्षा के महत्व और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के संबंध में जागरूकता बढ़ाने तथा गंभीर विमर्श को प्रोत्साहित करने की अपनी उद्देश्य-पूर्ति में पूर्णतः सफल रही।

Main Ideas	
• संगोष्ठी का आयोजन "गाँधी की बुनियादी शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति" जैसे सामयिक और महत्वपूर्ण विषय पर किया गया, जो वर्तमान शैक्षणिक विमर्श में अत्यंत प्रासंगिक है। • इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राजीव रंजन गिरि उपस्थित रहे। अपने सारगर्भित व्याख्यान में उन्होंने गांधी जी की बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से सत्य, नैतिकता और राष्ट्रीय एकता जैसे मूल्यों को आधुनिक शिक्षा नीति में समाहित करने पर बल दिया। डॉ. गिरि ने बताया कि शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रखकर उसे जीवन फलकारी, कार्य-उन्मुख और सामाजिक उत्थान से जुड़ा होना चाहिए। उनका व्याख्यान अत्यंत सरल, रोचक और ज्ञानवर्धक था, जिसने सभी प्रतिभागियों को अंत तक सक्रिय रूप से जोड़े रखा। • गांधीजी का मानना था कि सामाजिक-आर्थिक सुधारों के लिए शिक्षा को व्यवसायिक प्रशिक्षण, कौशल-आधारित शिक्षा और शिल्प-परंपराओं से जोड़ना चाहिए। उनका उद्देश्य शिक्षा को उद्योग एवं समुदाय के साथ जोड़कर रोजगार योग्य बनाना था। नई तालीम में उन्होंने ग्राम स्वराज, हस्तकला और सूत कातने जैसे कार्यों को आत्मनिर्भरता और ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बताया। • गांधीजी ने बच्चों को स्थानीय भाषा में पढ़ाने पर विशेष बल दिया, जिससे समझ और आत्मविश्वास बढ़ सके तथा शिक्षा समाज के हर वर्ग तक पहुँच सके। इसके साथ ही उन्होंने अस्पृश्यता विरोध, सामाजिक-धार्मिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक चेतना के विकास पर भी ज़ोर दिया। उनका जीवन और विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। • यह संगोष्ठी न केवल गांधीजी की बुनियादी शिक्षा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालती है, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के संबंध में जागरूकता बढ़ाने और गंभीर विमर्श को प्रोत्साहित करने में भी अत्यंत सफल रही। 'मंथन' साहित्य सभा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विभाग के भीतर शैक्षणिक संवाद और सामुदायिक सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। • संगोष्ठी में विभाग के प्राध्यापकगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर गहन विमर्श और जागरूकता को बढ़ावा देना था।	
Vote of thanks	डॉ अंजु बाला

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

Poster (Attach below)

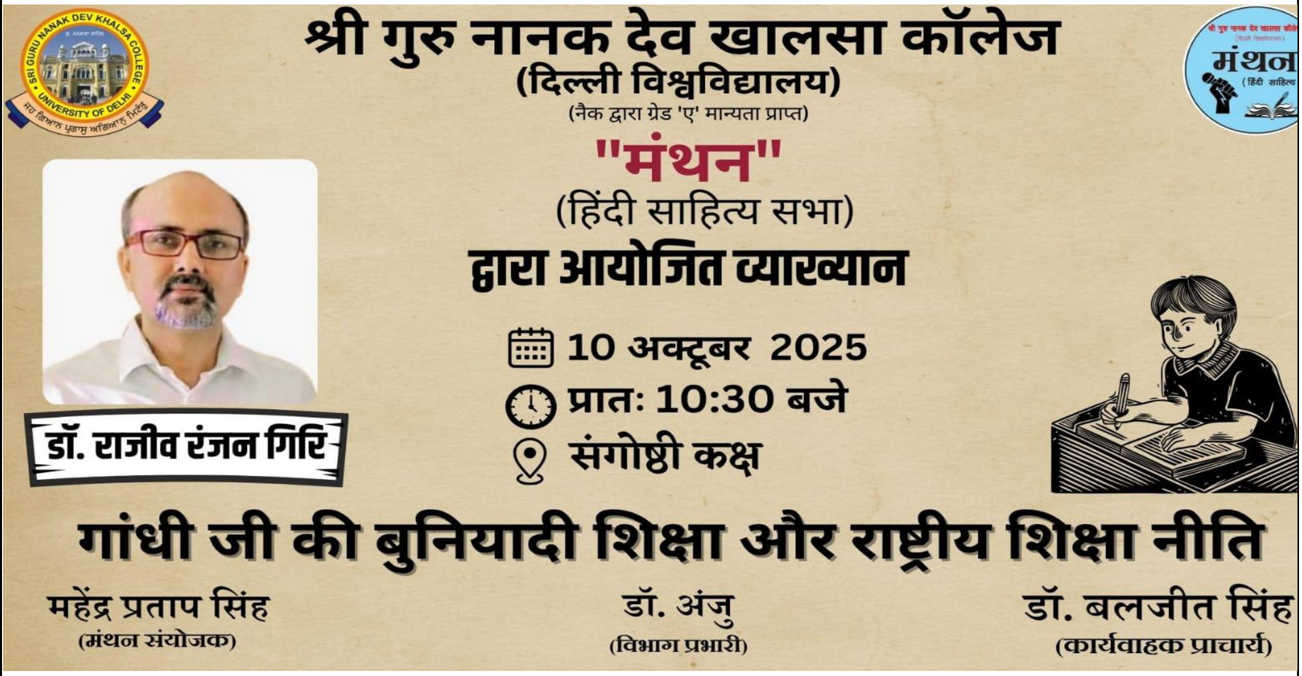

Pictures (Attach Five Photos)

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

Attach Photocopy of two Certificates.

हस्ताक्षर:

डॉ . अंजुबाला
(विभाग प्रभारी)

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005